TIMES OF INDIA, Mumbai, 13.2.2024
Page No. 5, Size:(11.22)cms X (9.59)cms.

Contract agreement signed for Thane rolling stock depot

TIMES NEWS NETWORK

Mumbai: The National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) has signed a contract agreement with M/s Dinesh Chandra- DMRC JV to undertake the design and construction of the Thane rolling stock depot in Maharashtra.

The scope of work outlined in the agreement encompasses civil works, inspection sheds, maintenance depot, and the crucial installation, testing, and commissioning of maintenance facilities.

Spanning across an extensive area of approximately 55 hectares, the Thane depot is earmarked to host state-of-the-art facilities tailored for the upkeep and light maintenance of trainsets. NHSRCL spokesperson said, "Initially, the depot will feature four inspection lines and 10 stabling lines, with plans for future expansion to accommodate eight and 31 lines respectively."

Pic for representation

The Thane rolling stock depot will be spread over 55 hectares

The procurement of about 200 units of 40 types of depot machineries, including cutting-edge equipment such as bogie exchange machines and underfloor wheel re-profiling machines, underscores the commitment to uphold the maintenance standards of high-speed trainsets, adhering to the revered Shinkansen benchmark.

The Mumbai – Ahmedabad High-Speed Corridor, popularly known as the Bullet Train Project, will be efficiently serviced by three strategically located rolling stock depots situated in Sabarmati and Surat in Gujarat, alongside the pivotal addition of Thane in Maharashtra.

Drawing from the rich expertise gleaned from Shinkansen depots in Japan, these facilities are poised to elevate the operational excellence of India's burgeoning high-speed rail network.

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 13.2.2024
Page No. 6, Size:(2.92)cms X (8.53)cms.

Bullet rolling stock depot contract final

KAMAL MISHRA / Mumbai

The National High Speed Rail Corporation Ltd (NHSRCL) on Monday sealed a contract with M/s Dineshchandra-DMRC JV for the design and construction of the Thane rolling stock depot, a pivotal component of the bullet train project.

The depot, spread over 55 hectares, will service and maintain the high-speed train sets. The initial phase will comprise four inspection lines and 10 stabling lines, with provision to expand into eight inspection lines and 31 stabling lines.

As reported earlier, the design draws inspiration from the renowned Shinkansen depots in Japan. Notably, 200 pieces of 40 types of depot machineries will be procured from Japan. The equipment will include bogie exchange machines, underfloor wheel re-profiling machines, ultrasonic flaw detectors, and a train set washing plant.

NAV-BHARAT, Mumbai, 13.2.2024
Page No. 14, Size:(5.41)cms X (7.47)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को मिली स्पीड

रोलिंग स्टॉक डिपो के डिजाइन के लिए साइन हुआ कॉन्ट्रैक्ट

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) द्वारा महाराष्ट्र राज्य में ठाणे रोलिंग स्टॉक डिपो के डिजाइन और निर्माण के लिए मेसर्स दिनेशचंद्र-डीएमआरसी जेवी के साथ कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए गए हैं. कॉन्ट्रैक्ट में डिपो का सिविल कार्य, निरीक्षण शेड, अनुरक्षण डिपो और अनुरक्षण सुविधाओं की स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग शामिल हैं. बता दें कि ठाणे डिपो लगभग 55 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाया जाएगा और इसमें ट्रेन सेट के रखरखाव की सुविधाएं होंगी. प्रारंभ में 4 निरीक्षण लाइनें और 10 स्टेबलिंग लाइनें बनाई जाएंगी, जो भविष्य में बढ़कर 8 और 31 हो जाएंगी. मिली जानकारी के अनुसार, डिपो में शिंकानसेन मानक के अनुसार हाई स्पीड ट्रेन सेट के रखरखाव के लिए उपयोग की जाने वाली बोगी एक्सचेंज मशीन, अंडरफ्लोर व्हील री-प्रोफाइलिंग मशीन, परीक्षक और डेटा रीडर, अल्ट्रासोनिक दोष डिटेक्टर, ट्रेन सेट वाशिंग प्लांट आदि सहित 40 प्रकार की डिपो मशीनरी के लगभग 200 नंबर जापान से खरीदे जा रहे हैं.

ठाणे में 3 रोलिंग स्टॉक डिपो

■ मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरिडोर (बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट) का रखरखाव गुजरात के साबरमती और सूरत और महाराष्ट्र के ठाणे में स्थित तीन रोलिंग स्टॉक डिपो द्वारा किया जाएगा. गौरतलब है कि डिपो को जापान में शिंकानसेन डिपो के अनुभव के आधार पर डिजाइन किया जा रहा है.

■ दिनेशचंद्र-डीएमआरसी जेवी के साथ हुए कॉन्ट्रैक्ट पर एनएचएसआरसीएल के एमडी विवेक कुमार गुप्ता, निदेशकों, एनएचएसआरसीएल के वरिष्ठ अधिकारियों और जेआईसीसी, एमएलआईटी जापान, जेआईसीए, भारत में जापान के दूतावास और डीआरए-डीएमआरसी जेवी के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया है.

NAVBHARAT TIMES, Mumbai, 13.2.2024
Page No. 3, Size:(2.04)cms X (3.62)cms.

ठाणे में शुरू होगा बुलेट डिपो का काम

■ प्रसं, मुंबई : नैशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने ठाणे में बुलेट ट्रेन के रोलिंग स्टॉक डिपो के डिजाइन और निर्माण का काम जल्द शुरू करने के लिए अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर किए है। यहां डिपो का निर्माण करीब 55 हेक्टर परिसर में होना है। शुरुआती चरण में 4 निरीक्षण लाइनें और 10 स्टेबलिंग लाइनें बनेंगी, बाद में इन्हें बढ़ाकर 31 किया जाएगा। बोगी एक्सचेंज मशीन, अंडरफ्लोर वील री-प्रफाइलिंग मशीन, परीक्षक और डेटा रीडर आदि सुविधाएं होंगी।

RASHTRIYA SAHARA, Delhi, 13.2.2024
Page No. 10, Size:(27.37)cms X (24.62)cms.

बुलेट ट्रेन में 'देरी' को दूर करने को बुलेट रफ्तार

■ विनोद श्रीवास्तव

नई दिल्ली। एसएनबी

देश में सबसे तेज रफ्तार बुलेट ट्रेन चलाने का सपना अगले कुछ वर्षों में साकार होने की उम्मीद दिख रही है। नौ दिन चले अढ़ाई कोस की कहावत की छवि से बुलेट ट्रेन परियोजना को बाहर लाने के लिए निरंतर कोशिश हो रही है। परियोजना की देरी को दूर करने के लिए मुंबई से अहमदाबाद तक सिविल कार्य, सुरंग, विद्युत, स्टेशन, सिग्नल और रोलिंग स्टॉक पर समान्तर रूप से काम चल रहा है। इससे यह लगता है कि आगामी कुछ वर्षों में बुलेट ट्रेन चलने की घड़ी करीब आएगी।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे के 14 सितम्बर 2017 को अहमदाबाद में बुलेट ट्रेन परियोजना की आधारशिला रखी थी। तब यह उम्मीद की गई थी कि अगले पांच वर्ष में बुलेट ट्रेन अहमदाबाद-मुंबई के बीच चलती नजर आएगी। लेकिन भूमि अधिग्रहण और अन्य दिक्कतों के कारण परियोजना में निरंतर देरी होने बुलेट ट्रेन अपने निर्धारित लक्ष्य समय से देर होने लगी। हालांकि महाराष्ट्र में शिंदे सरकार के आने के वहां परियाजना के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा हुआ है। इसी तरह से बुलेट ट्रेन के लिए बांद्रा-कुर्ला काम्प्लेक्स (बीकेसी) में स्टेशन के लिए न्यायालय से भूमि मिली। परियोजना के पहले फेज का काम तेज गति से चल रहा है। सौ किलोमीटर तक पुल तैयार किये जा चुके हैं। 250 किलोमीटर पलर खड़े हो चुके हैं। 508 किलोमीटर

- एक वर्ष के भीतर मुंबई से अहमदाबाद तक काम ही काम
- तेज रफ्तार से कुछ वर्षों में बुलेट चलने की घड़ी आएगी करीब

की मुंबई-अहमदाबाद परियोजना पर 1.08 लाख करोड़ रुपये खर्च किये जाने हैं।

नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन (एनएचएसआरसीएल) के अनुसार बीते एक वर्ष के दौरान परियोजनाओं को पंख लगाने के लिए बहुत काम किये गये हैं। गुजरात और महाराष्ट्र के लिए सभी सिविल अनुबंधों पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। सभी डिपो और विद्युत पैकेजों को अवार्ड किया जा चुका है। गुजरात, डीएनएच और महाराष्ट्र में परियोजना के लिए 100 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण किया जा चुका है। ठाणे डिपो के लिए अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर किए गए है। महाराष्ट्र के लिए (156 किमी) तीनो अनुबंधों, यानी सी-1 (मुंबई एचएसआर स्टेशन), सी-2 (भारत की पहली समुद्र के नीचे रेल सुरंग सहित 21 किमी लंबी सुरंग का निर्माण) और सी-3 (135 किलोमीटर एलाइनमेंट व 3 एचएसआर स्टेशनों ठाणे, विरार और बोईसर पर हस्ताक्षर किए जा चुके है।

एनएचएसआरसीएल ने बताया कि मुंबई एचएसआर स्टेशन और भूमिगत सुरंग का काम पहले ही शुरू हो चुका है। गुजरात में 136 किलोमीटर वायाडक्ट और 282 किलोमीटर पियर निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है। सूरत में पहला स्टील ब्रिज लांच किया जा चुका है। गुजरात के वलसाड जिले में पहली पहाड़ी सुरंग का निर्माण किया जा चुका है। जापानी शिंकानसेन में उपयोग किए जाने वाले पहले प्रबलित कंक्रीट (आरसी) ट्रैक बेड बिछाने का कार्य सूरत और आनंद में शुरू हो गया है। गुजरात में छह नदी पुलों का निर्माण पूरा किया जा चुका है। साबरमती में हाई स्पीड रेल मल्टीमॉडल हब पूरा किया जा चुका है।

DAINIK BHASKAR, Surat, 14.2.2024
Page No. 2, Size:(7.55)cms X (8.93)cms.

सूरत के बाद अब ठाणे में बुलेट ट्रेन का रोलिंग स्टॉक डिपो बनेगा

ठाणे रोलिंग स्टॉक डिपो के निर्माण के लिए हुआ करार

सूरत| नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की तरफ से गुजरात के साबरमती और सूरत में डिपो का निर्माण किया जा रहा है। अब महाराष्ट्र राज्य में ठाणे रोलिंग स्टॉक डिपो के डिजाइन और निर्माण के लिए मेसर्स दिनेशचंद्र-डीएमआरसी जेवी के साथ अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर किया गया है। अनुबंध में सिविल कार्य, निरीक्षण शेड, अनुरक्षण डिपो और अनुरक्षण सुविधाओं की स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग शामिल हैं। ठाणे डिपो लगभग 55 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाया जाएगा और इसमें ट्रेन सेट के रखरखाव की सुविधाएं होंगी। प्रारंभ में 4 निरीक्षण लाइनें और 10 स्टेबलिंग लाइनें बनाई जाएंगी, जो भविष्य में बढ़कर क्रमशः 8 और 31 हो जाएंगी। डिपो में शिंकानसेन मानक के अनुसार हाई स्पीड ट्रेन सेट के रखरखाव के लिए उपयोग की जाने वाली बोगी एक्सचेंज मशीन, अंडरफ्लोर व्हील री-प्रोफाइलिंग मशीन, परीक्षक और डेटा रीडर, अल्ट्रासोनिक दोष डायटेक्टर, ट्रेनसेट वॉशिंग प्लांट आदि सहित 40 प्रकार की डिपो मशीनरी के लगभग 200 नंबर जापान से खरीदे जा रहे हैं। हाई स्पीड बुलेट ट्रेन का रखरखाव गुजरात के साबरमती और सूरत और महाराष्ट्र के ठाणे में स्थित तीन रोलिंग स्टॉक डिपो द्वारा किया जाएगा।

DIVYA BHASKAR, Surat, 14.2.2024
Page No. 2, Size:(7.24)cms X (9.83)cms.

ડેપોમાં 40 પ્રકારની મશીનરી ઈન્સ્ટોલ કરાશે

સુરત બાદ હવે થાણેમાં બુલેટ ટ્રેનનો રોલિંગ સ્ટોક ડેપો બનશે

ટેસ્ટિંગ, મેઈન્ટેનન્સ સહિતની કામગીરી હાથ ધરાશે

ટ્રાન્સપોર્ટ રિપોર્ટર | સુરત

સાબરમતી અને સુરતમાં બુલેટ ટ્રેનના ડેપો બની રહ્યા છે. હવે મહારાષ્ટ્રના થાણે રોલિંગ સ્ટોક ડેપોની ડિઝાઈન અને બાંધકામ માટે કરાર કરાયા છે. કોન્ટ્રાક્ટમાં સિવિલ વર્ક્સનું ઈન્સ્ટોલેશન, ટેસ્ટિંગ અને કમિશનિંગ, ઈન્સ્પેક્શન શેડ, મેઈન્ટેનન્સ ડેપો અને મેઈન્ટેનન્સ સુવિધાઓનો સમાવેશ થાય છે. થાણે ડેપો લગભગ 55 હેક્ટર વિસ્તારમાં બાંધવામાં આવશે અને તેમાં ટ્રેન સેટની જાળવણીની સુવિધાઓ હશે. શરૂઆતમાં 4 ઈન્સ્પેક્શન લાઈન અને 10 સ્ટેબલિંગ લાઈન બનાવવામાં આવશે, જે ભવિષ્યમાં વધીને અનુક્રમે 8 અને 31 કરાશે.

આ ડેપોમાં આશરે 40 પ્રકારની મશીનરીઓ હશે, જેમાં બોગી એક્સચેન્જ મશીન, અંડરફ્લોર વ્હીલ રિ-પ્રોફાઈલિંગ મશીન, ટેસ્ટર અને ડેટા રીડર, અલ્ટ્રાસોનિક ફ્લો ડિટેક્ટર, ટ્રેનસેટ વોશિંગ પ્લાન્ટ વગેરેનો ઉપયોગ શિંકનસેન સ્ટાન્ડર્ડ મુજબ હાઈ સ્પીડ ટ્રેન સેટની જાળવણી માટે કરાશે. ટ્રેનના 200 કોચ જાપાન પાસેથી ખરીદાઈ રહ્યા છે. હાઈ સ્પીડ બુલેટ ટ્રેનની જાળવણી ગુજરાતના સાબરમતી, સુરત અને મહારાષ્ટ્રના થાણેમાં સ્થિત ત્રણ રોલિંગ સ્ટોક ડેપો દ્વારા કરવામાં આવશે.

After Surat, the rolling stock depot of bullet trains will be made in Thane

DIVYA BHASKAR, VAPI, 14.2.2024
Page No. 2, Size:(7.24)cms X (9.83)cms.

ડેપોમાં 40 પ્રકારની મશીનરી ઈન્સ્ટોલ કરાશે

સુરત બાદ હવે થાણેમાં બુલેટ ટ્રેનનો રોલિંગ સ્ટોક ડેપો બનશે

ટેસ્ટિંગ, મેઈન્ટેનન્સ સહિતની કામગીરી હાથ ધરાશે

ટ્રાન્સપોર્ટ રિપોર્ટર | સુરત

સાબરમતી અને સુરતમાં બુલેટ ટ્રેનના ડેપો બની રહ્યા છે. હવે મહારાષ્ટ્રના થાણે રોલિંગ સ્ટોક ડેપોની ડિઝાઈન અને બાંધકામ માટે કરાર કરાયા છે. કોન્ટ્રાક્ટમાં સિવિલ વર્ક્સનું ઈન્સ્ટોલેશન, ટેસ્ટિંગ અને કમિશનિંગ, ઈન્સ્પેક્શન શેડ, મેઈન્ટેનન્સ ડેપો અને મેઈન્ટેનન્સ સુવિધાઓનો સમાવેશ થાય છે. થાણે ડેપો લગભગ 55 હેક્ટર વિસ્તારમાં બાંધવામાં આવશે અને તેમાં ટ્રેન સેટની જાળવણીની સુવિધાઓ હશે. શરૂઆતમાં 4 ઈન્સ્પેક્શન લાઈન અને 10 સ્ટેબલિંગ લાઈન બનાવવામાં આવશે, જે ભવિષ્યમાં વધીને અનુક્રમે 8 અને 31 કરાશે.

આ ડેપોમાં આશરે 40 પ્રકારની મશીનરીઓ હશે, જેમાં બોગી એક્સચેન્જ મશીન, અંડરફ્લોર વ્હીલ રિ-પ્રોફાઈલિંગ મશીન, ટેસ્ટર અને ડેટા રીડર, અલ્ટ્રાસોનિક ફ્લો ડિટેક્ટર, ટ્રેનસેટ વોશિંગ પ્લાન્ટ વગેરેનો ઉપયોગ શિંકનસેન સ્ટાન્ડર્ડ મુજબ હાઈ સ્પીડ ટ્રેન સેટની જાળવણી માટે કરાશે. ટ્રેનના 200 કોચ જાપાન પાસેથી ખરીદાઈ રહ્યા છે. હાઈ સ્પીડ બુલેટ ટ્રેનની જાળવણી ગુજરાતના સાબરમતી, સુરત અને મહારાષ્ટ્રના થાણેમાં સ્થિત ત્રણ રોલિંગ સ્ટોક ડેપો દ્વારા કરવામાં આવશે.

After Surat, the rolling stock depot of bullet trains will be made in Thane